शाला प्रबंधन समिति की संरचना का होगा गठन

मंडला। नईदुनिया प्रतिनिधि

समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला एवं अनुदान प्राप्त शलाओं का शाला प्रबंधन समिति का गठन 21 अक्टूबर को किया जाएगा। इस संबंध में सर्वशिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा ने बताया कि निशुल्क एवं अनिवार्य बाल अधिकार नियम 2009 अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार नियम 2011 बनाए गए है। इन नियमों के तहत पूर्व में सभी शालाओं में सत्र 2017 में शाला प्रबंधन समीति का गठन 2 वर्षीय कार्यकाल हेतु किया गया था जिनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। सत्र 2019-20 एवं 2020-21 हेतु जिले के सभी शासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक माध्यमिक शालाओं में 21 अक्टूबर 2019 को शाला प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा।

शाला प्रबंधन समितियों का गठन कल होगा

इस तरह होंगे कार्यक्रम-जिला परियोजना समन्वयक की जानकारी के अनुसार शाला के प्रधानाध्यापक, प्रभारी शिक्षक द्वारा 21 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक शाला प्रबंधन समिति की संरचना एवं गठन प्रक्रिया का वाचन किया जाएगा। सुबह 10.30 से 11 बजे तक वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन अनुपात में पालकों, अभिभावकों की सदस्य संख्या की गणना कर शाला के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी। पुरूष एवं महिला पालक अभिभावक सदस्यों का निर्वाचन 11 बजे से 11:30 बजे के मध्य किया जाएगा। शिक्षक, अन्य सदस्यों का चयन 11:30 से 11:40 बजे के मध्य किया जाएगा।

सुबह 11:40 से 12 बजे के मध्य चयनित पुरूष एवं महिला पालकध, अभिभावक सदस्यों के एवं शिक्षक, अन्य सदस्यों के नाम नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएंगे। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष का निर्वाचन दोपहर 2 बजे से 2:20 बजे तथा उपाध्यक्ष का निर्वाचन 2:20 से 2:40 बजे के मध्य किया जाएगा। समिति के गठन की सूचना 3 बजे दी जाएगी।

हृदय रोग से पीड़ित 13 बच्चों की सर्जरी मुंबई में होगी, हुए रवाना

मंडला। नईदुनिया प्रतिनिधि

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिला अस्पताल के जिला शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप केन्द्र में शिविर आयोजित किए गए थे। जिसमें हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का जांच परीक्षण कर 24 बच्चों को सर्जरी के लिए चयनित किया गया। इसमें शनिवार को 13 बच्चों को नारायणा हृदयालय बैंगलुरू लिमिटेड की मुंबई शाखा के लिए रवाना किया गया।

पहली शिफ्ट में भेजे गए बच्चे- सीएमएचओ डॉ श्रीनाथ सिंह ने बताया कि जिला शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप केन्द्र में विगत 7 अगस्त को हृदय रोग जांच परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में नारायणा हृदयालय बैंगलुरू लिमिटेड की मुंबई शाखा से आए विशेषज्ञों की टीम ने हृदय रोगी बच्चों की इको-कार्डियो मशीन से जांच की गई। जिसमें हृदय रोग से पीड़ित बच्चें मिले। इन बच्चों को नारायणा हृदयालय में निशुल्क ऑपरेशन के लिए दो शिफ्ट में बच्चों को भेजा जाएगा। पहली शिफ्ट 19 अक्टूबर को भेजी गई। इस दौरान सीएमएचओ डॉ श्रीनाथ सिंह, डीपीएम डॉ जेपी सिंह, जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक राजाराम चक्रवर्ती, कीर्ति सिंह टीबी कॉआडिनेटर, वीरेन्द्र पाटिल, डॉ रश्मि जैन, एएनएम राजकुमारी समेत डीईआईसी स्टाफ बबीता रघुवंशी, अखिलेश मौजूद रहे।

मंडला। बच्चों को रवाना करते हुए अधिकारी। ● **नईदुनिया**

योजना के तहत ह्दय रोग से पीड़ित चिन्हित बच्चों का शासन द्वारा नि:शुल्क उपचार किया जा रहा है। बच्चों की सर्जरी के बाद अगले तीन माह तक बच्चों का फालोअप नि:शुल्क किया जाता है। फालोअप में तीन माह तक आवश्यक दवाईयां, जांच परीक्षण नि:शुल्क दी जाती है।